



Gurpartap singh

27 Oct 1993

Model: Numerology-Report

Order No: 119857001

अंक ज्योतिष फल

Model: Numerology-Report

Order No: 119857001

Date: 22/10/2025

नाम	Gurpartap singh
जन्म तिथि	27/10/1993
मूलांक	9
भाग्यांक	5
नामांक	7
मूलांक स्वामी	मंगल
भाग्यांक स्वामी	बुध
नामांक स्वामी	नेप/केतु
मित्र अंक	3, 6, 5
शत्रु अंक	1, 7
सम अंक	2, 4, 8
मुख्य वर्ष	2007,2016,2025,2034,2043,2052,2061,2070
शुभ आयु	14,23,32,41,50,59,68,77
शुभ वार	मंगल, बुध, शुक्र
शुभ मास	मार्च, जून, सित
शुभ तारीख	9, 18, 27
शुभ रत्न	मूंगा
शुभ उपरत्न	संगमूंगी
अनुकूल देव	हनुमान
शुभ धातु	ताम्र
शुभ रंग	रक्त
मंत्र	ॐ सां सीं सौं सः केतवे नमः
शुभ यंत्र	केतु यंत्र

14	9	16
15	13	11
10	17	12



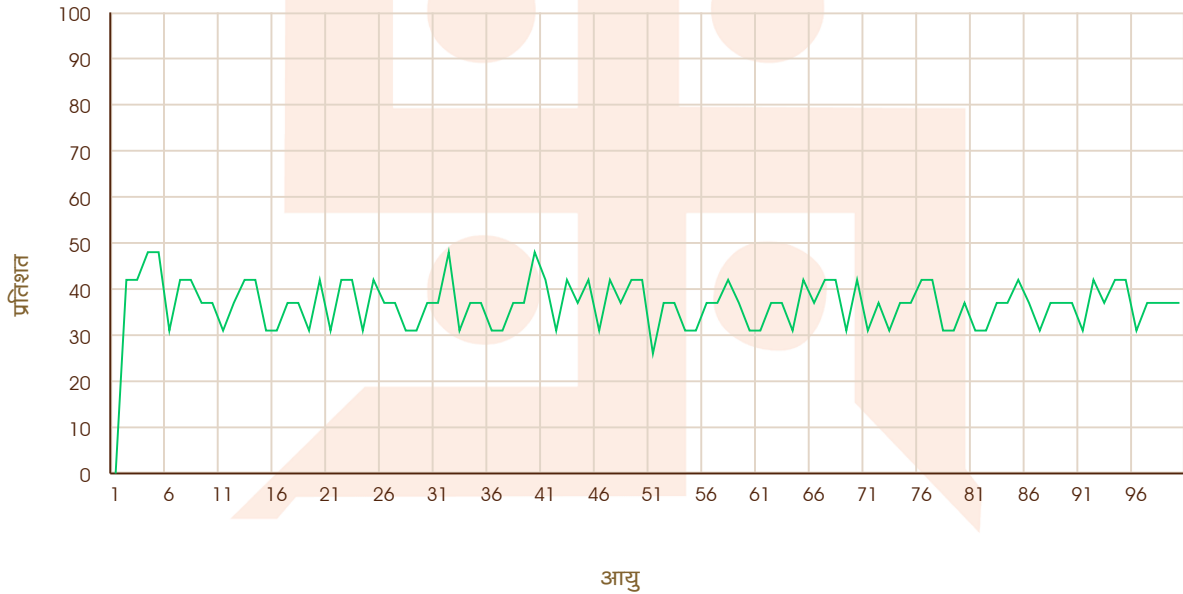
FUTUREPOINT
Astro Solutions



एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोन:- 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

अंक जीवन ग्राफ

आपका मूलांक एवं भाग्यांक वर्ष के अंकों से एवं आयु के अंकों से जो संबंध बनाते हैं वे एक ग्राफ के रूप में नीचे दिए गए हैं। इस ग्राफ द्वारा आप यह साफ साफ जान सकते हैं कि कौन सा आयु का वर्ष आपके लिए लाभकारी हो सकता है या कौन सा वर्ष अनिष्टकारी हो सकता है। इस ग्राफ को बनाने के लिए मूलांक एवं भाग्यांक के आयु वर्ष एवं उनके अलग अलग अंकों से संबंध को लिया गया है। यदि ग्राफ में 60 से ऊपर नंबर आ रहे हैं तो वह वर्ष आपके लिए महत्वपूर्ण हो सकता है एवं जिसे 40 से कम नंबर प्राप्त हुए हैं वह वर्ष आपको कुछ कष्टदायक हो सकता है।



मुख्य वर्ष 2007,2016,2025,2034,2043,2052,2061,2070

शुभ आयु 14,23,32,41,50,59,68,77

अंक ज्योतिष फल

आपका जन्म दिनांक 27 होने से दो और सात के योग द्वारा नौ आपका मूलांक होगा। जिसका अधिष्ठाता ग्रह मंगल है। अंक दो का चन्द्र तथा अंक सात का भारतीय मतानुसार केतु एवं पाश्चात्य मतानुसार नेपच्यून ग्रह है।

मूलांक नौ का स्वामी मंगल एवं उनके ग्रहमण्डल का सेनापति होने से आपके अन्दर सेनापतित्व की भावना अधिक रहेगी। आप बचपन से अन्तिम अवस्था तक मुखिया के रूप में रहना पसन्द करेंगे। ऐसा ही रोजगार का क्षेत्र चुनेंगे, जिसमें आप स्वतंत्र रूप से कार्य कर सकें। साहस आपके अन्दर कूट-कूट कर भरा होगा तथा साहसिक कार्यों को करने में आपको विशेष आनन्द की अनुभूति होगी। स्वभाव से आप तेज गति वाले, शीघ्रातिशीघ्र कार्य को अंजाम देने वाले तथा जल्दी एवं फुर्ती से सभी कार्यों को संपादित करने वाले व्यक्ति के रूप में ख्याति अर्जित करेंगे।

साहस आपका मुख्य गुण रहेगा और दुःसाहस अवगुण। कभी-कभी दुःसाहस वश आप अपने जीवन में गहरी चोट भी खायेंगे। अनुशासन पालन करना एवं कराना आपके स्वभाव में रहेगा। इससे आप कठोर हृदय के व्यक्ति कहलायेंगे। लेकिन कोई भी व्यक्ति आपकी खुशामद, चापलूसी करके आपसे वांछित कार्य करा सकता है। अतः इस अवगुण के कारण खुशामदी, चापलूस व्यक्तियों से आप जीवन में कई बार हानि भी उठायेंगे। क्रोध की मात्रा आपके स्वभाव में ज्यादा ही रहेगी। इससे आपको हानियों की संभावनाएं प्रायः बनी रहेगी एवं आपके शत्रुओं, विरोधियों की वृद्धि का कारण आपका क्रोध बनेगा।

अंक दो का स्वामी चंद्र एवं सात का नेपच्यून आपकी कल्पना शक्ति, अन्वेषण कार्यों में वृद्धि करेगा। आपको बाग-बगीचे, हरियाली, जंगल, पहाड़ों की सैर करना अच्छा लगेगा।

भाग्यांक पाँच का स्वामी बुध ग्रह होने से आपका भाग्योदय स्व-बुद्धि विवेक द्वारा होगा। बुध वाणिज्य, व्यावसायिक कला का दाता है। गणित, लेखन, शिल्प, चिकित्सा, लेखा कार्यों में अच्छी प्रगति प्रदान करेगा। आपके अन्दर व्यापारिक कला अच्छी विकसित होगी। वाक् पटुता, तर्कशक्ति, बहुत बोलने की आदत रहेगी। आप रोजगार के क्षेत्र में नित नई स्कीम बनायेंगे जो आपकी तरक्की का मार्ग प्रशस्त करेंगी। वाणिज्य कला में आप काफी निपुण रहेंगे एवं रोजमर्रा के कार्यों को फुर्ती से पूर्ण करेंगे। दूसरों से कार्य निकलवाने में आप निपुण रहेंगे।

आपकी व्यवसायिक बुद्धि होने से धन संग्रह की ओर आप अधिक आकृष्ट रहेंगे एवं आवश्यकतानुसार वक्त-वे-वक्त के लिए धन एकत्रित करेंगे। आर्थिक क्षेत्र में आपकी स्थिति मध्यमोत्तम श्रेणी की रहेगी। कानून का आपको ठीक ज्ञान रहने से आप कार्यक्षेत्र में सभी कार्यों को बखूबी निभायेंगे तथा सामने वाले आपके ज्ञान के आगे नत-मस्तक होंगे।

आपका मूलांक 9 है तथा भाग्यांक 5 है। मूलांक 9 का स्वामी मंगल है तथा

भाग्यांक 5 का स्वामी बुध है। मूलांक 9 एवं भाग्यांक 5 के बीच सम संबंध है। आपको मूलांक एवं भाग्यांक के मिलेजुले फल प्राप्त होंगे। आप अपने रोजगार-व्यापार के क्षेत्र में एक साहसी व्यक्ति के रूप में अपनी पहचान बनाएंगे। आपके कार्यक्षेत्र में आपकी कार्यशैली संगठनात्मक रहेगी तथा युवा अवस्था से ही आपको कार्य के अच्छे अवसर प्राप्त होते रहेंगे। आपको ऐसा ही रोजगार पसंद आएगा, जिसमें साहसिक कार्यों के द्वारा महत्वपूर्ण उपलब्धियां मिलती रहें। ज्ञान-विज्ञान तथा तकनीकी क्षेत्रों की ओर आपका विशेष रुझान रहेगा। आप अपने कार्यक्षेत्र में स्वयं की मेहनत एवं बुद्धि-विवेक द्वारा उच्चता को प्राप्त करेंगे। जीवन में आपको भूमि, वाहन तथा भौतिक सुख-संपदाओं का अच्छा लाभ प्राप्त होगा। जीवन की मध्य अवस्था से ही आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी होनी प्रारंभ हो जाएगी। सामाजिक क्षेत्र में आप एक प्रतिभाशाली व्यक्ति के रूप में लोकप्रियता प्राप्त करने में सफल रहेंगे।

आपका भाग्योदय 23 वर्ष की अवस्था से प्रारंभ होगा तथा 32 वर्ष की अवस्था से आपको विशेष उन्नति प्राप्त होगी एवं 41 वर्ष की अवस्था पर आपका पूर्ण भाग्योदय होगा।

आपके मूलांक 9 की मित्रता 3 एवं 6 से है तथा भाग्यांक 5 की मित्रता 3 एवं 9 से है। अतः आपके जीवन में 3, 5, 6, 9 के अंक विशेष महत्वपूर्ण रहेंगे।

आपके मूलांक का आपके भाग्यांक से सम संबंध होने से मूलांक-भाग्यांक के प्रभाव न्यूनाधिक मात्रा में आपके अनुरूप जाएंगे। आपके जीवन की प्रमुख घटनाएं इन्हीं अंकों की तारीखों मास, ईस्वी सन् या आयु के वर्षों में घटित होंगी। जब कभी इन्हीं अंकों की तारीख, मास वर्ष के साथ आपके लिए निर्धारित शुभ वार का भी मेल होता हो, तो ऐसा दिन आपके लिए विशेष फलदायी तथा किसी भी कार्य को प्रारंभ करने, पत्र लेखन, या उच्च अधिकारी/व्यक्ति से मिलने हेतु अधिक उपयुक्त रहेगा। आप अपने विगत जीवन में घटित घटनाओं का अवलोकन करेंगे, तो पाएंगे कि काफी घटनाएं इन्हीं अंकों के मास, वर्ष या दिन को घटित हुई होंगी।

अपने विगत जीवन में उपर्युक्त सभी अंकों का विश्लेषण करने के बाद जो अंक आपके अधिक अनुकूल जा रहे हों, उन्हीं अंकों के आधार पर भावी योजनाएं बनाना आपके लिए अधिक लाभप्रद रहेगा।

आपके लिए मार्च, मई, जून, सितंबर, माह विशेष महत्वपूर्ण रहेंगे तथा आप कोई भी नया कार्य ऐसे दिन, तारीख, मास में करें, जब वे आपके मूलांक तथा भाग्यांक के अंक से मेल स्थापित करें तथा एक ही स्थान पर सभी शुभ रहें।

मूलांक 9 एवं भाग्यांक 5 के प्रभाववश ईस्वी सन् जिनका योग 3, 5, 6, 9 होता है, आपके लिए विशेष घटनाक्रम वाले रहेंगे।

इसी प्रकार आपकी अवस्था के ऐसे वर्ष, जिनका योग 3, 5, 6, 9 होता है, आपके लिए शुभ फलदायक रहेंगे।

3 . 12, 21, 30, 39, 48, 57, 66, 75

5 . 14, 23, 32, 41, 50, 59, 68

6 . 15, 24, 33, 42, 51, 60, 69

9 . 18, 27, 36, 45, 54, 63, 72

उपर्युक्त वर्ष आपके जीवन में परिवर्तनकारी रहेंगे। इन वर्षों में कुछ विशेष घटनाएं घटित होंगी, जो आपके जीवन की दशा बदलेंगी तथा कुछ घटनाएं यादगार बन जाएंगी।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोन:- 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

नामांक विचार

संसार में नाम नहीं तो कुछ भी नहीं। मनुष्य का सही नाम ही गगन चुम्बी होता है। सही फलदायी नाम से ही मनुष्य देश-विदेश में प्रसिद्धि पाता है। अतः हमेशा ऐसे नाम का चुनाव करना चाहिए जो आपको समाज में यश, कीर्ति तथा प्रतिष्ठा प्रदान करे और सदियों तक समाज में आदर के साथ याद किया जाए। आपका नाम आपके भाग्य व प्रतिष्ठा को बढ़ाने में कितना साथ दे रहा है निम्न गणना से आप जान सकते हैं एवं नाम को ठीक कर अपने भाग्य की वृद्धि कर सकते हैं।

Gurpartap singh
3+6+2+8+1+2+4+1+8 3+1+5+3+5
नाम का योग : 52 नामांक : 7

आपके नाम का कुल योग बावन है। पाँच एवं दो के योग से सात आपका नामांक होता है। पाँच का स्वामी बुध है एवं दो का स्वामी चन्द्र तथा नामांक सात का स्वामी नेपच्यून है। इन तीनों ग्रहों के गुण अवगुण आपके नाम को प्रभावित करेंगे। बुध के प्रभाव से जल्दबाजी आपके स्वभाव में रहेगी जो आपके लिए हानि का कारण बन सकती है। आप हमेशा ऐसा रोजगार पसंद करेंगे, जिसमें कम मेहनत एवं लाभ अधिक हो। चन्द्र के प्रभाव से आपके अन्दर शारीरिक कार्य करने की क्षमता कम रहेगी। आप बुद्धि विवेक के कार्यों में दूसरों से बाजी मार लेंगे। आत्म विश्वास आपका कई बार कमजोर होगा। आपको अपने ऊपर पूरा भरोसा रखना होगा। नेपच्यून के प्रभाव से आर्थिक सफलताएं आपको कम प्राप्त होंगी। यात्रा, पर्यटन सैर-सपाटा आपको अच्छा लगेगा तथा आप वही व्यापार पसंद करेंगे जिसमें यात्राएं होती रहें।

आपके नाम का नामांक 7 है। इसका आपके मूलांक 9 एवं भाग्यांक 5 से सम संबंध है। अतः आपको मूलांक स्वामी एवं भाग्यांक स्वामी ग्रहों के शुभ फल आपके नाम को पूर्ण रूप से प्राप्त नहीं होंगे। इसके प्रभाव से आपका नाम समाज में पूर्ण प्रतिष्ठा प्राप्त करने में असमर्थ रहेगा। यदि आप मूलांक एवं भाग्यांक के ग्रहों का सम्पूर्ण फल प्राप्त करना चाहते हैं तो आप अपने नाम में इस प्रकार से परिवर्तन करें कि आपका नाम आपके मूलांक तथा भाग्यांक के साथ उत्तम तालमेल स्थापित करले। नाम में परिवर्तन करने के कारण आपको मूलांक स्वामी एवं भाग्यांक स्वामी ग्रह के पूर्ण फल प्राप्त होंगे तथा आपका नाम समाज के विभिन्न क्षेत्रों में लोकप्रियता प्राप्त करने में सफल रहेगा।

अपने नाम का अच्छा फल पाना चाहते हैं तो आप ऐसे नाम का चुनाव कीजिये जोकि आपके मूलांक तथा भाग्यांक दोनों से ही मिलान करें तथा उसका नामांक 9 आता हो और 1 न हो तो ऐसा नाम आपकी रुकी हुई प्रगति के द्वार खोलेगा तथा आप पूर्ण रूपेण सांसारिक सफलताएं अर्जित करेंगे। नाम परिवर्तन हेतु आपके लिए 6,5,3 अंक शुभ रहेंगे तथा 2,4,7 अंक अहितकर होंगे।

नाम में परिवर्तन करने हेतु अंग्रेजी वर्णाक्षरों को अंकों में परिवर्तन करने की विधि उदाहरण सहित नीचे दी जा रही है। जिसकी सहायता से आप आसानी से नाम परिवर्तन अथवा

नाम में वांछित संशोधन कर अपने अनुकूल नामांक बना सकते हैं। नाम परिवर्तन से आप मूलांक तथा भाग्यांक के साथ-साथ अपने नाम को सार्थक कर सकेंगे।

A B C D E F G H I J K L M N O P Q R S T U V W X Y Z

1 2 3 4 5 8 3 5 1 1 2 3 4 5 7 8 1 2 3 4 6 6 6 5 1 7

उदाहरणार्थ:-

एक अंक घटाना:-	GANESHA $3+1+5+5+3+5+1=23=5$	GANESH $3+1+5+5+3+5=22=4$
एक अंक :-	RAM $2+1+4=7$	RAMA $2+1+4+1=8$
दो अंक :-	BINDRA $2+1+5+4+2+1=15=6$	BRINDRA $2+2+1+5+4+2+1=17=8$
तीन अंक :-	RAMCHAND $2+1+4+3+5+1+5+4=25=7$	RAMCHANDRA $2+1+4+3+5+1+5+4+2+1=28=2$
चार अंक :-	KRISHNA $2+2+1+3+5+5+1=19=1$	KRESHNA $2+2+5+3+5+5+1=23=5$
पाँच अंक :-	TEWARI $4+5+6+1+2+1=19=1$	TIWARI $4+1+6+1+2+1=15=6$
छः अंक :-	AGGARWAL $1+3+3+1+2+6+1+3=20=2$	AGARWAL $1+3+1+2+6+1+3=17=8$



FUTUREPOINT
Astro Solutions



लोशु फल

4	9 9 9	2
3	5	7
8	1 1	6

लोशु चार्ट का परिचय

लोशु चार्ट चीनी अंक शास्त्र का एक अहम भाग है। यह चमत्कारी लक्ष्मी यन्त्र पर आधारित है। इस पद्धति के द्वारा हम किसी भी व्यक्ति की सिर्फ जन्मतिथि जानकर ही बड़ी सरलता व शीघ्रता से उसके संपूर्ण व्यक्तित्व को समझ लेते हैं। इस पद्धति के द्वारा हम उस व्यक्ति के चार्ट में अनुपस्थित अंकों के हानिकारक प्रभाव को दूर करने के उपाय भी बता सकते हैं। उपस्थित व अनुपस्थित अंकों की पक्तियां कालम व समूह व्यक्ति के विशेष व्यक्तित्व को बताने में सहायक होते हैं।

अंक 1 - दो बार

आपके लोशु चार्ट में दो बार एक अंक की उपस्थिति होने से आप स्वयं को सुगमता व सहजता से व्यक्त कर पाते हैं, आप जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रखते हैं, तथा परिस्थितियों का सही अध्ययन कर पाने में सक्षम होते हैं, आप अच्छे साथी, बुद्धिमान एवं आनंदवृत्ति वाले, सुखद एवं अच्छे स्वभाव वाले हैं, दूसरे व्यक्ति के विचारों को भी सुगमतापूर्वक समझ लेते हैं। आप किसी अन्य व्यक्ति की राय को समझने में भी सक्षम हैं। आप महत्वाकांक्षी हैं आपको किसी भी प्रकार का प्रतिबंध पसंद नहीं है। नौकरी हो या व्यवसाय अपनी कड़ी मेहनत की बदौलत आप हमेशा उच्च शिखर पर पहुँचते हो, किसी भी कार्य को करने में आप निपुण हैं आप अपने जीवन को निष्पक्ष तरीके से देखते हैं। नौकरी करते हो या कोई व्यापार, लेकिन आप ऊँचे से ऊँचे पहुँच कर ही रहते हैं। आप अपने लक्ष्य के प्रति सदा सजग रहते हैं क्योंकि आपका लक्ष्य निश्चित



FUTUREPOINT
Astro Solutions



और निर्धारित होता है। निर्णय लेने में भी आप बहुत दक्ष हैं किसी भी विषय पर सोच-समझ कर निर्णय लेना आपका विशेष गुण है। आपका व्यक्तित्व और जीवन सदा स्वतंत्र रहता है, विचारों की मौलिकता आपकी एक विशेषता है। चार्ट में यह 1 के अंक की सर्वोत्तम संख्या मानी जाती है।

अंक 2 - एक बार

आपके लोशु चार्ट में दो अंक एक बार उपस्थित हैं। जिस कारण आप संवेदनशील और अंतर ज्ञानी हैं, आप एक ही झलक में दूसरे व्यक्ति का सार निकाल लेने में प्रवीण हो, किन्तु दुर्भाग्य आपको शीघ्रता से आहत भी कर देता है, आप निष्ठाहीनता को ज्ञात करने की विलक्षण प्रतिभा के स्वामी हैं। आप शांत और संवेदनशील स्वभाव वाले हो, आपको अपनी बात किसी से कहते वक्त उसे ध्यान रखना होता है। कभी कभी बात ठीक ढंग से किसी से कह नहीं पाते हो। कोई भी बात आपको बहुत जल्दी चुभ जाती है। आप बहुत भावनात्मक हो। आप बड़े ही अंतर्मुख स्वभाव के होने से आपको भविष्य में घटने वाली घटनाओं के बारे में संकेत मिल जाते हैं। आपमें हिम्मत की कमी होती है, आप अपने दिमाग को किसी चीज पर केंद्रित नहीं कर पाते, कोई भी निर्णय जल्दी नहीं ले पाते, आप बड़े मूढ़ी स्वभाव के होते हैं, बहुत जल्दी अपना स्वभाव बदल देते हैं, हसते हसते गंभीर हो जाते हैं।

अंक 3 - एक बार

आपके लोशु चार्ट में तीन अंक एक बार उपस्थित हैं। अतः आपकी स्मरण शक्ति तीव्र तथा मस्तिष्क तीक्ष्ण व विचारोत्पादक होता है, आप व्यावहारिक होते हैं, और अपने लक्ष्य तक पहुंचने में आपका दृष्टिकोण बहुधा आशावादी ही होता है, अपनी सकारात्मक सोच व आशावादी दृष्टिकोण से दूसरों को प्रेरणा देने में भी सक्षम होते हैं। मानसिक और शारीरिक रूप से आप विशेष सुदृढ़ हो, आप बड़े स्वाभिमानी हैं। किसी के आगे झुकना नहीं चाहते, स्वतंत्र प्रकृति के होते हैं, मित्र अधिक होते हैं और उनसे ही लाभ मिलता है। आप उच्च शिक्षा प्राप्त करते हैं, अध्ययनशील तथा पढ़ने लिखने में दक्ष होते हैं, कला, विज्ञान और साहित्य में आपकी रुचि होती है, आपका रचनात्मक दिमाग और उतकृष्ट स्मृति है। आप में से कुछ लोग जमीन से जुड़े होते हैं, आप अपने लक्ष्यों तक पहुंचने के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण रखते हो, आप अपनी आशावादिता और ईमानदारी से दूसरों को प्रेरित करने में सक्षम हो। आप जिस कार्य को करने की ठान लेते हैं तो उसे करके ही छोड़ते हैं। साथ ही आप एक अच्छे विचारक, दूरदर्शी, संभावित घटनाओं को भांप लेने वाले होते हैं।

अंक 4 - अनुपस्थित

आपके लोशु चार्ट में चार का अंक अनुपस्थित है। अतः आप पूर्वनिर्धारित योजना के अनुसार कार्य नहीं कर पाते। कई बार आप अपने विचारों में उलझे रहते हैं और दिशाहीन हो जाते हैं। आपमें बहुधा व्यवस्था व प्रेरणा का अभाव होता है, जिसके फलस्वरूप आप तब तक प्रगति नहीं कर पाते जब तक अपने जीवन दर्शन को बदल नहीं देते। आपमें कल्पनाशीलता की कमी होती है, विचार अधिक दृढ़ एवं स्थाई होते हैं, बदलते नहीं हैं जिससे दूसरों को इनके साथ काम करने

में परेशानी महसूस होती है। आपमें दिमाग, बुद्धि और अनुशासन की कमी होती है, आप वक्त की उपयोगिता को नहीं समझ पाते। आप संयोजित नहीं होते, जिस कारण आपको जितनी सफलता मिलनी चाहिए उतनी नहीं मिल पाती। आवश्यकता इस बात की है कि आप सुव्यवस्थित होकर अपने निर्धारित लक्ष्य की ओर बढ़ें, इस अंक की अनुपस्थिति से आप अपने ज्ञान, सम्पर्क, परिवार के सदस्य तथा अपने कर्मचारियों से भी पूरा लाभ नहीं ले पाते। धीरता और सहनशीलता के गुणों के विकास से जीवन आपके लिए आसान बन जाता है।

अंक 5 - एक बार

आपके लोशु चार्ट में पांच अंक एक बार उपस्थित है। अतः आप भावनात्मक रूप से संतुलित हैं। आप दयालु, दूसरों के प्रति संवेदनशील व सहज प्रकृति के स्वामी हैं, दूसरों को प्रेरणा व प्रोत्साहन प्रदान करने में सक्षम होने के कारण आप संभावित सफलता से भी कुछ अधिक ही प्राप्त कर लेते हैं। आप तेज बुद्धि एवं दिमाग तथा योग्यता के कारण किसी भी काम को सफलतापूर्वक करने में सक्षम हैं। आप सामान्यतः अच्छी जिंदगी जीते हैं, आपको हर वैसे काम में दिलचस्वी होती है, जिसमें नयापन हो, आप अनेक प्रकार के व्यवसायों से धन अर्जित करने वाले, कुशाग्र बुद्धि, गणित विषय में निपुण और आपकी गणना करने की शक्ति तीव्र होती है। आप सभी विषयों को तार्किक दृष्टि से देखते हैं। वाणिज्य और कारोबार में भी आप सफल होते हैं। आप अच्छे वक्ता, संवाद और संचार के क्षेत्र में अद्भुत सफलता प्राप्त करते हैं।

अंक 6 - अनुपस्थित

आपके लोशु चार्ट में 6 का अंक अनुपस्थित है। अतः आप स्वयं में आत्म-समर्पण की भावना उत्पन्न करें, आपमें अपनी अन्तर्भावनाओं को दूसरों से छिपाकर रखने की प्रवृत्ति होती है। इस प्रवृत्ति का कारण होता है, अपने माता अथवा पिता के साथ जीवन के प्रारम्भ में अच्छे सम्बन्ध, फलस्वरूप आपको तब तक अपने संबंधों में अनिश्चयता का सामना करना पड़ता है। जब तक कि आप हृदय से उन्मुक्त व उदार होना नहीं सीख लेते हैं। चिंता और तनाव आप लोगों के लिए विषमताओं के कारण हो सकते हैं। पारिवारिक जीवन में कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, आपको पारिवारिक सहयोग मिलने में परेशानी आती है। आपका भी बच्चों और परिवार के प्रति लगाव कम होता है, आप लोगों की मदद तो करते हैं। लेकिन खुद के लिए मदद नहीं मिलती, दोस्तों की मदद नहीं मिलती, आपको भौतिक तथा पारिवारिक सुख व भोग विलास की कमी रहती है। आप जीवन के सकारात्मक पक्ष की अपेक्षा नकारात्मक पक्ष की ओर अधिक ध्यान देते हैं। आपको कभी भी विदेश से सम्बंधित काम नहीं करना चाहिए।

अंक 7 - एक बार

आपके लोशु चार्ट में सात अंक एक बार उपस्थित है। अतः आप प्रेम, स्वास्थ्य अथवा संपत्ति खोकर जीवन का गूढ़ अनुभव प्राप्त करते हैं, कड़वे अनुभवों से सिखने के कारण आपका झुकाव अधिकाधिक आध्यात्मिक अथवा आत्म-ज्ञान की ओर हो जाता है। आप आंतरिक बातों को समझने में स्वयं को असमर्थ पाते हैं। आपके शरीर के निचले अंगों में चोट लगने अथवा रोग की प्रायः संभावना रहती है। आप किसी भी कार्य को स्वयं करने में समर्थ होते हैं। आप

अव्यवहारिक, अत्यधिक कल्पना, और भयभीत रहते हो, जिस कारण आपको रोजमर्रा की जिंदगी में अच्छी तरह से काम करना मुश्किल हो जाता है। कई बार आपकी अत्यधिक स्पष्टवादिता एवं अपनी पहचान का अहम कई बार आपको दूसरों का गुलाम बना देता है। आपकी स्मरणशक्ति कमजोर होती है, इस कारण आप दैनिक जीवन के कार्यों में कठिनाता का अनुभव करते हैं।

अंक 8 - अनुपस्थित

आपके लोशु चार्ट में 8 का अंक अनुपस्थित है। अतः आप अपने वित्तीय प्रबंधन में कुशल नहीं होते, आप या तो बिलकुल ही लापरवाह होते हैं, अथवा दूसरों के प्रति ज्यादा विश्वस्त होते हैं। फलस्वरूप रुपये-पैसे के मामलों में कष्ट प्राप्त करते हैं, आपमें निर्णय शक्ति की कमी व भौतिक साधनों का अभाव रहता है। लक्ष्य-निर्धारण की भी कमी होती है, और कार्य को हाथ में लेकर अधूरा छोड़ने की प्रवृत्ति भी, आपको प्राकृतिक जल्दबाजी को नियंत्रण करने, और अभिनय से पहले सोचने के लिए सिखने की जरूरत है। आप अनुशासित नहीं होते हैं, आप अपने पैसों का हिसाब नहीं रख पाते, जैसे कितना कमाया, कितना लगा और क्या बचा है। आप अधिक मेहनत करने में विश्वास नहीं रखते, आपकी अत्यधिक महत्वाकांक्षा एवं भौतिकवादी सोच आपके लिए तनाव एवं अवसाद का कारण बनती है। आपमें जल्दी स्थिरता नहीं आती, और जीवन में जल्दी से पैसा कमाना चाहते हैं। आवश्यकता इस बात की है कि आप अपनी इस स्वेच्छा की प्रवृत्ति का त्याग करें, और कुछ करने से पूर्व विचार करने की आदत का विकास करें।

अंक 9 - तीन बार

आपके लोशु चार्ट में नौ अंक तीन बार उपस्थित है। अतः आप आदर्शवादी, बुद्धिमान किन्तु साथ ही साथ स्नेहशील भी होते हैं। आप बहादुर, साहसी और शक्ति के स्वामी हैं, किसी भी परिस्थिति से मुकाबला करने की आपमें शक्ति होती है, आप अनुशासन प्रिय, सिद्धांत के पक्के तथा आज्ञाकारी होते हैं। लेकिन आपको टोकना हानिकारक होता है। आप स्पष्टवादी होते हैं, साफ-साफ बात मुँह पर कह देते हैं, और इसी स्वभाव के कारण आपके बहुत से शत्रु भी बन जाते हैं, आप अपनी आलोचना सहन नहीं करते, जिस काम के पीछे पड़ जाएँ उसे करके ही छोड़ते हैं। आपको स्वतन्त्र रूप से काम करने दिया जाये तो अपने काम से लोगों को आश्चर्यचकित कर देते हैं। आप अतिशयोक्ति तथा राई का पहाड़ बनाने के आदि होते हैं, किन्तु परिपक्व होने पर आप इस प्रवृत्ति पर काबू पा लेते हैं। जब आप अपनी मानसिक क्षमता का उपयोग कर रहे होते हैं तो प्रसन्नचित्त व धनात्मक रहते हैं। किन्तु यदि आप किसी चक्रमार्ग में फँस गए हैं तो शीघ्र उचाट व निराश हो जाते हैं।

केंद्र के चार अंको (9, 3, 1, 7) की उपस्थिति -

आपके लोशु चार्ट में केंद्र के चार अंक (9, 3, 1, 7) उपस्थित है। अतः यह अत्यंत शुभ स्थिति बनती है, आप तीव्र बुद्धि के दयावान, नई-नई अचीवमेंट हासिल करने वाले होते हैं। आप अपना लक्ष्य निर्धारण करके चलते हैं, इसलिए जॉब और विजनेस दोनों में ही सफलता प्राप्त कर लेते हैं। लेकिन व्यावसायिक गतिविधियों में अच्छी सफलता प्राप्त करते हैं। आपके ऊपर भगवान

का पूरा आश्रीवाद बना रहता है, एक के बाद एक चीज प्राप्त होगी, आप निष्ठावान भावुक और दूसरों की मदद करने वाले हैं। आपमें दूसरों की भावना समझने की योग्यता है। आप कठिन एवं मुश्किल परिस्थिति में नहीं घबराते, आप बेहद चतुर कूटनीतिज्ञ, राजनीतिज्ञ होते हैं। केंद्र स्थानों में पहला केंद्र 9 अंक है, जिसके स्वामी ग्रह मंगल हैं, जो पराक्रम के कारक, दूसरा केंद्र 3 अंक है। जिसके स्वामी गुरु हैं, जो ज्ञान के कारक हैं, तीसरा केंद्र 1 अंक है, एक अंक सूर्य का प्रतिनिधित्व करता है, और सूर्य आत्मबल के कारक हैं, चौथा केंद्र 7 अंक है जो केतु का प्रतिनिधित्व करता है, और केतु है अध्यात्म, इस प्रकार इन चारों केंद्रों का भरा होना आपके लिए अत्यंत शुभता की स्थिति बना रहा है।

आध्यात्मिकता के अंक - 3. 5 व 7

आपके लोशु चार्ट में 3. 5 व 7 अंकों की उपस्थिति है। यह अंक विशेष रूप से दिलचस्प है, क्योंकि यह मध्य क्षैतिज पंक्ति में रहता है। यह आपके भावनात्मक व आध्यात्मिक पहलुओं के महत्त्व को प्रदर्शित करता है। यह आपके जीवन के प्रति गंभीर रुख को इंगित करता है, और आंतरिक शांति व निश्चलता का परिचायक भी है। ऐसे गुण जो मध्य आयु से पूर्व प्रायः कम ही प्रकट होते हैं आप समाजवादी हैं, क्योंकि आप शानदार संचार कौशल और मजबूत रचनात्मक क्षमता के स्वामी होते हैं। लिखने, पढ़ने और अभिनय के क्षेत्र में आप काफी अच्छा काम कर सकते हैं। आप किसी भी काम के प्रति आशावादी रवैया रखते हैं और अपने रचनात्मक सोच का उस दिशा में पूरा प्रयोग भी करते हैं। आपकी निर्णय क्षमता अच्छी है, और आप कलात्मक, प्रतिभावान, कल्पनाशील तथा शब्दों से उच्च कोटि की अभिव्यक्ति रखते हैं। आप संगीत, कला, लेखन में निपुण तथा व्यवसाय में विलासिता वाले सामानों के विक्रेता हो सकते हैं, प्रणय सम्बन्ध तथा लोकप्रियता आपके विशेष गुण हैं।

संकल्प-शक्ति के अंक - 1. 5 व 9

यह योग इच्छा शक्ति को दर्शाता है, आपके लोशु चार्ट में 1. 5 व 9 अंकों की उपस्थिति है। अतः आपमें अत्यधिक इच्छा शक्ति है। दुराग्रही, अध्यवसायी व इरादे के पक्के हैं, और बहसवाजी में अधिक निपुण हैं। जीवन में कैसे भी हालत रहें आप हार नहीं मानते, आप में हालातों से लड़ने की क्षमता होती है। जिस कारण जीवन में आप ऊंचाइयों को छूते हैं, विभिन्न विषयों पर आप ठोस विचार रखते हैं। यह अंक सफलता का प्रतीक माना जाता है, क्योंकि जब तक आप निश्चित लक्ष्य तक नहीं पहुँच जाते, दृढ़ता से अपने कार्य में लगे रहते हैं। कभी कठिन समय आ जाये, और इनके पास कुछ भी न हो और अगर आप इनसे पूछें कि आप कैसे हो तो हमेशा यही जवाब देंगे कि बहुत बढ़िया, यह करोड़ों रुपये भी कमा लें तो इनके पाँव जमीन पर ही रहते हैं। ऐसे व्यक्तियों को मानसिक रूप से हराया नहीं जा सकता, इन्हें जीवन में अच्छी सफलता मिलती है। इनके चेहरे पर तेज होता है, इनकी अच्छी सूझ-बुझ होती है, और बात करने का ढंग भी बढ़िया होता है, दिमागी शक्ति भी अच्छी होती है।

जल तत्त्व - अंक 1

आपके लोशु चार्ट में जल तत्त्व की उपस्थिति है। जल बुद्धि और ज्ञान का प्रतिनिधित्व करता है,

जल लचीला है फिर भी मजबूत है, अभी भी बह रहा है। 1, अंक सूर्य से सम्बंधित है, जल शांत है फिर भी खतरनाक है। जल के लिए सतह केवल शुरुआत है, इसकी गहराई में छिपे वास्तविक चाल के साथ, जल तत्त्व वाले वे नहीं हैं, हालांकि आप अपनी खुद की कंपनी और आंतरिक प्रतिबिम्ब के लिए समय का आनंद लेते हैं। आप अक्षर शांत और शांति पूर्ण होते हैं, लेकिन दूसरों को अभिभूत करने की एक बड़ी क्षमता होती है, आप निडर, साहसी व स्वाभिमानी भी होते हैं। नौकरी हो या व्यवसाय अपनी कड़ी मेहनत की बदौलत आप हमेशा उच्च शिखर पर पहुँचते हो, किसी भी कार्य को करने में आप निपुण हैं आप अपने जीवन को निष्पक्ष तरीके से देखते हैं।

खूबियां- आप राजनैतिक कार्यों में कुशल, परिवार, समाज, राष्ट्र आदि सभी का नेतृत्व करने की आपें क्षमता होती है। तेज़ नज़र, सहानुभूति और अच्छे मध्यस्थ, दृढ़, सहज और लचीला, कोमल लेकिन मजबूत, और आप दूरदर्शिता के गुणों से युक्त होते हैं।

कमजोरियां - स्व कृपालु, बहुत निष्क्रिय, दूसरों पर बहुत ज्यादा भरोसा करना, दुविधा में पड़े रहना, चिंतित रहना आदि अवगुण होते हैं।

पृथ्वी तत्त्व - अंक 2, 5, 8

आपके लोशु चार्ट में पृथ्वी तत्त्व की उपस्थिति है। पृथ्वी स्थिर और मध्यस्थ होती है। यह एक प्राकृतिक जन्म शांति रक्षक होता है। पृथ्वी धैर्यवान, विचारशील और शांत होती है। जबकि पृथ्वी गर्म और पोषित होती है, यह आसानी से स्व-केंद्रित भी हो सकती है क्योंकि यह मानती है कि यह सब कुछ का केंद्र है। पृथ्वी सुरक्षात्मक है और वे उन जड़ों का प्रतिनिधित्व करती हैं। जो सब कुछ एक साथ रखती हैं, हालांकि, यह भी नियंत्रित हो सकती है। इस तत्त्व के लोग सहानुभूति की एक बड़ी मात्रा में होते हैं और खुद को लगातार दूसरों की खुशी के बारे में चिंतित पाते हैं। 2 अंक चन्द्रमा का है, 5 अंक बुध का और 8 अंक शनि से सम्बंधित है, ऐसे व्यक्ति ६ ानाढ्य होते हैं, इनका अपना जमीन से जुड़ा हुआ मकान होता है।

खूबियां - ऐसे लोग स्थिर प्रवृत्ति के, गंभीर, व्यावहारिक, तार्किक, अनुकंपा, देखभाल, सहानुभूति, उत्तरदायी, वफादार होते हैं और ईमानदार, पोषण, संगठित व योजना बनाने में अच्छे, मजबूत और स्थायी होते हैं।

कमजोरियां - अतिसंरक्षित, ज़िद्दी, जन्मजात कंजूस, रुढ़िवादी, जोखिम लेने में परेशानी होती है।

काष्ठ तत्त्व - अंक 3, 4

आपके लोशु चार्ट में काष्ठ तत्त्व की उपस्थिति है। काष्ठ उदार और विशाल होती है और दूसरों की गहराई से देखभाल करती है। बांस के साथ, काष्ठमजबूत होती है। फिर भी लचीली होती है और एक प्राकृतिक जन्म से नेता भी है। इसकी जड़ें पृथ्वी में गहरी खुदाई करती हैं, हालांकि, काष्ठ को जीवित रहने के लिए नमी की भी आवश्यकता होती है। काष्ठ की विशेषताएं अक्सर कामुकता और धैर्य से जुड़ी होती हैं। हालांकि, इसे संतुलित करने के लिए, काष्ठ घुसपैठ और आक्रामक भी हो सकता है। 3, अंक गुरु से और 4 अंक राहु से सम्बंधित है। ऐसे व्यक्ति

लगातार विस्तार और आगे बढ़ने की तलाश में होते हैं। जटिल से जटिल कार्य को करने में सक्षम होते हैं। अपने काम को आसानी से निकाल लेते हैं।

खूबियां- यह काफी चतुर होते हैं, इनमें अच्छी समझ, गर्म, मिलनसार, दयालु, लचीला और अनुकूलनीय, स्थिर और व्यावहारिक, उदार होते हैं।

कमजोरियां - सीमाओं या सीमाओं की अच्छी समझ नहीं है, बहुत ज्यादा निष्क्रिय हो जाते हैं, दूसरों पर बहुत अधिक भरोसा कर लेते हैं।

धातु तत्त्व - अंक 6, 7

आपके लोशु चार्ट में अंक 6, 7 धातु तत्त्व की उपस्थिति है। धातु खानों में पाया जाने वाला हीरा है, यह जीवन की सांस है, 6, 7 धातु तत्त्व से सम्बंधित लोग स्वयं का सम्मान करते हैं, और दूसरों का भी सम्मान करते हैं, 6, अंक शुक्र और 7, अंक केतु से सम्बंधित है। इस तत्त्व से प्रभावित लोग मजबूत और कठोर होते हैं, लेकिन दबाव डालने पर यह अनुकूल और बदल जाते हैं। धातु को अक्षर बिना पका हुआ, कठोर और निर्धारित किया जाता है। इस तत्त्व वाले लोग न्यूनतम होते हैं, संगठित और स्वच्छ जीवन की सादगी का आनंद लेते हैं, हालांकि नकारात्मक पक्ष पर धातु भी शक्तिशाली और नियंत्रित हो सकती है, ये धातु पदार्थ है। वास्तव में आपके जीवन में जटिल या अनावश्यक भावना की आवश्यकता होती है।

खूबियां- आप साहसिक, महत्वाकांक्षी, स्वतंत्र विचारधारा, निर्धारित लक्ष्य पर चलने वाले, अनुशासित, केंद्रित, उच्च नैतिकता और उच्च मानक के गुणों से युक्त होते हैं।

कमजोरियां- संचार कौशल में कमी, जिद्दी, कभी-कभी अनुचित आंकना, क्रूर, निर्दयी, आसानी से संबंधों में कटौती, अतिसंवेदनशील, आदि अवगुण होते हैं।

अग्नि तत्त्व - अंक 9

आपके लोशु चार्ट में अग्नि तत्त्व की उपस्थिति है। आग हमेशा ऊपर की ओर निर्देशित होती है और इसकी ऊर्जा कभी समाप्त नहीं होती है। यह लगातार और मजबूत है, हालांकि, यह फैलता भी है और आसानी से भटकता भी है। तत्त्व के रूप में आग के साथ रोमांचकारी साधक होते हैं, जो एक साहसिक क्षण से अगले तक घूमते हैं। आग अक्सर गर्मी, जुनून और बनाने की आवश्यकता से जुड़ी होती है। हालांकि, रिवर्स साइड पर, यह आक्रामकता, अधीरता और विनाश से भी संबंधित हो सकती है। जबकि आग गर्मी और गर्मी प्रदान कर सकती है, यह जल भी सकती है। आग अपने आप नहीं हो सकती। हालांकि यह उज्ज्वल और रोमांचक है। इसे संपन्न करने के लिए लकड़ी की स्थिरता की आवश्यकता है। 9 अंक मंगल से सम्बंधित है, इनका शरीर सुगठित, इनकी इच्छा शक्ति स्ट्रॉंग होती है, ये बहादुर, साहसी और पूरी शक्ति के साथ कार्य करने वाले होते हैं, इनमें निर्णय लेने की क्षमता अच्छी होती है।

खूबियां- आप भावुक और उत्साही, रचनात्मक, अनुशीलन और करिश्माई, सहज और साहसी, हमेशा चुनौती को स्वीकार करने वाले, गर्मजोशी और दृढ़ संकल्प शक्ति वाले होते हैं।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



कमजोरियां - ध्यान की लालसा, रोगी, जोड़ तोड़ करने वाले, झगड़ालू प्रवृत्ति के, मिजाज के अनुकूल, आक्रामक, आवेगी और अस्थिर, अकेले रहने वाले होते हैं।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोन:- 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

अंक ज्योतिष उपाय विचार

अनुकूल समय

मंगल दिनांक 23 मार्च से 20 अप्रैल तक एवं 24 अक्टूबर से 21 नवंबर तक पाश्चात्य मत से, सूर्य मेष तथा वृश्चिक राशि में रहता है। भारतीय मत से यह समय 13 अप्रैल से 12 मई एवं 14 नवंबर से 14 दिसंबर होता है। मेष एवं वृश्चिक मंगल की अपनी राशियां हैं। दिनांक 14 जनवरी से 13 फरवरी तक सूर्य मकर राशि में रहता है, जो मंगल कि उच्च राशि है अतः उपर्युक्त समय मूलांक 9 के लिए कोई भी नया या महत्वपूर्ण कार्य करने के लिए अधिक उपयुक्त रहता है।

अनुकूल दिवस

मंगलवार, शुक्रवार एवं गुरुवार आपके लिए ठीक दिन रहेंगे। आप यदि किसी भी कार्य को करते हैं तो इन्हीं दिवसों में प्रारंभ करें और यदि इन दिवसों में अनुकूल तारीखें भी आएँ तो श्रेष्ठ फलदायक रहेगा।

शुभ तारीखें

आपके लिए किसी भी अंग्रेजी मास की 3, 6, 9, 12, 15, 18, 21, 24, 29 एवं 30 तारीखें अधिक अनुकूल रहेंगी। इन तारीखों में महत्वपूर्ण कार्य, रोजगार-व्यापार के कार्य, अधिकारी या विशिष्ट व्यक्तियों से संबंधित कार्य अथवा पत्र इत्यादि लिखना आपके लिए अधिक उपयुक्त तथा सफलतादायक होंगे।

अशुभ तारीखें

आपके लिए किसी भी अंग्रेजी माह की 1, 7, 10, 16, 19, 20, 25 एवं 28 तारीखें ठीक नहीं हैं। आपके लिए पत्र इत्यादि लिखना या दस्तावेज लिखने हेतु अथवा विशिष्ट अधिकारी से मिलने हेतु या कोई भी नया कार्य प्रारंभ करना हो तो इन तारीखों में प्रारंभ न करें।

मित्रता या साझेदारी

जिन व्यक्तियों का जन्म 3, 6, 9, 12, 15, 18, 21, 24, 27 एवं 30 तारीखों को अथवा 13 अप्रैल से 12 मई एवं 14 नवंबर से 14 दिसंबर तथा 14 जनवरी से 13 फरवरी के मध्य हुआ हो, ऐसे व्यक्तियों से आपकी मित्रता अच्छी रहेगी तथा रोजगार, व्यापार के क्षेत्र में भी आप उच्चता के शिखर पर पहुंचेंगे। ऐसे व्यक्ति आपके लिए विशेष फलदायी रहेंगे।

प्रेम संबंध एवं विवाह

मूलांक 3, 6, 9 वाली महिलाएं तथा जिनका जन्म 3, 6, 9, 12, 15, 18, 21, 24, 27 एवं 30 दिनांकों में हुआ हो पर वे आपके लिए विश्वसनीय सिद्ध होंगी। ऐसी स्त्रियों से ही आप प्रेम अथवा विवाह संबंध स्थापित कर सकते हैं जो आपके लिए शुभ फलदायी रहेगा।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



अनुकूल रंग

आपके लिए अनुकूल रंग गुलाबी, गहरा लाल होने के कारण आपको चाहिए की अपने घर में दीवारें, खिड़कियां, पर्दे आदि का चुनाव करते समय इन रंगों को ध्यान में रखें तथा यदि आपका स्वास्थ्य साथ नहीं दे रहा है तब आप इन रंगों का रुमाल बना कर अपने पास हमेशा रखें तथा कोई भी रोजगार-व्यापार संबंधी कार्य करते समय इन रंगों के वस्त्र धारण करना न भूलें, जो आपके उज्ज्वल भविष्य के लिए अच्छा रहेगा।

वास्तु एवं निवास

आपके लिए दक्षिण दिशा उत्तमकारी है। अतः आपके लिए मकान या कॉम्प्लेक्स वही शुभ रहेगा जो दक्षिण में स्थित हो। अतः आप शहर की दक्षिण दिशा या भवन की दक्षिण दिशा का चुनाव कर सकते हैं एवं रोजगार-व्यापार की बैठक भी दक्षिण दिशा में रख सकते हैं, जो आपके उज्ज्वल भविष्य के लिए अच्छा रहेगा। भवन के फ्लैट का क्रमांक का योग 3, 6 या 9 रखना लाभप्रद रहेगा।

शुभ वाहन नं

नये वाहन का पंजीकरण क्रमांक आपके मूलांक 9 या मूलांक के मित्र अंक 6 तथा 3 में से कोई एक लेना हितकर रहेगा, जैसे वाहन पंजीकरण क्रमांक 5238 = 9 इत्यादि होना चाहिए। यदि आप होटल में कमरा आदि बुक करते हैं, तो उसके लिए अंक 108 = 9 होना आपके लिए हितकर रहेगा। अथवा आप वाहन द्वारा यात्रा करते हैं, तो सीट इत्यादि क्रमांक आपके मूलांक या मित्र अंक भाग्यशाली अंक साबित होंगे। इन्हीं शुभ अंकों के प्रभाव से ही आपकी यात्रा सफल हो सकती है।

स्वास्थ्य तथा रोग

जब भी आपके जीवन में रोग की स्थिति आएगी तब आपको क्रोध, झल्लाहट, दुर्घटना, चोट, अंग शैथिल्य, हृदय रोग, रक्तचाप इत्यादि पीड़ा देंगे। रोग होने, अशुभ समय आने, कष्ट और विपत्ति के समय आप हनुमान की उपासना तथा आराधना करें, मंगलवार का व्रत करें और एक समय भोजन करें।

व्यवसाय

संगठन, संघ संचालक, नियंत्रक, चिकित्सा, ज्योतिष, धर्मोपदेशक, सैन्य विभाग, गोला-बारूद, आतिशबाजी का व्यवसाय, वकालत, औषधि विक्रेता, लौह तथा अन्य धातु संबंधी कार्य अथवा प्रभुता के कार्य। इन सबको अंक 9 में समाविष्ट कर सकते हैं।

व्रतोपवास

मंगलवार को भौम अरिष्ट दोष निवारण हेतु व्रत करें। यह व्रत पैतालीस मंगलवार या कम से कम इक्कीस मंगलवारों को करें। लाल वस्त्र धारण करें एवं लाल वस्तुओं का दान करें। यथाशक्ति मंगल के मंत्र का मूंगे की माला पर जप करें।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



अनुकूल रत्न या उपरत्न

आप मूंगा धारण करें। इसके न मिलने पर संगसितारा, लाल हकीक, लाल मून स्टोन धारण कर सकते हैं। इसे आप मंगलवार के दिन, शुक्ल पक्ष में, शुभ चौघड़िया मुहूर्त में, तांबा, सोना, मिश्रित धातु या चांदी में छह से नौ रत्ती का मूंगा बनवा कर, दाहिने हाथ की अनामिका उंगली में त्वचा को स्पर्श करते हुए धारण करें।

अनुकूल देवता

आप मंगल ग्रह की उपासना करें अथवा हनुमान जी की उपासना करने से आपके सभी प्रकार के अरिष्ट दूर होंगे। आप प्रति मंगलवार एवं शनिवार को सुंदर कांड का पाठ किया करें। साथ में हनुमान जी के मंत्र का नित्य एक सौ आठ बार मूंगे की माला पर जप किया करें। हनुमान जी का मंत्र इस प्रकार है : 'हं हनुमत रुद्रात्मकाय हुं फट्'। मंगलवार को एक समय भोजन करें तथा चने एवं मिष्ठान का प्रसाद हनुमान जी को अर्पण करने से आपके सभी कार्य बनेंगे।

ग्रह गायत्री मंत्र

आपके लिए मंगल के शुभ प्रभावों की वृद्धि हेतु, मंगल गायत्री मंत्र का प्रातः स्नान के बाद, ग्यारह, इक्कीस या एक सौ आठ बार जप करना लाभप्रद रहेगा।

भौम गायत्री मंत्र - ॐ अंगारकाय विद्महे शक्तिहस्ताय धीमहि तन्नो भौमः प्रचोदयात् ॥

ग्रह ध्यान मंत्र

प्रातःकाल उठ कर आप मंगल का ध्यान करें, मन में मंगल की मूर्ति प्रतिष्ठित करें और तत्पश्चात् निम्न मंत्र का पाठ करें :

धरणीगर्भसंभूतं विद्युत्कांतिसमप्रभम्।
कुमारं शक्तिहस्तं तं मंगलं प्रणमाम्यहम् ॥

ग्रह जप मंत्र

अशुभ मंगल को अनुकूल बनाने हेतु मंगल के मंत्र का जप करना चाहिए। नित्य कम से कम एक माला एक सौ आठ जप करने से वांछित लाभ मिल जाते हैं। पूरा अनुष्ठान सौ माला का है। मंत्र जप का प्रत्यक्ष फल स्वयं देख सकेंगे।

ॐ क्राँ क्रीं क्रौं सः भौमाय नमः ॥ जप संख्या 10000 ॥

वनस्पति धारण

आप मंगलवार के दिन एक इंच लंबी अनंतमूल की जड़ ला कर, लाल धागे में लपेट कर, दाहिने हाथ में बांधें या स्वर्ण या तांबे के ताबीज में भर कर गले में धारण करें। इससे

मंगल के अशुभ प्रभाव कम होंगे तथा शुभ प्रभावों में वृद्धि होगी।

वनस्पति स्नान

आपके लिए प्रत्येक मंगलवार को एक बाल्टी या बर्तन में सौंठ, सौंफ, लाल चंदन, सिंगरफ, माल कांगनी और मौलसरी के फूल आदि औषधियों का चूर्ण कर, पानी में डाल कर स्नान करना सभी प्रकार के रोगों से मुक्तिदायक रहेगा। हर्बल स्नान से आपकी त्वचा की कांति में वृद्धि होगी। अशुभ मंगल के प्रभाव क्षीण हो कर आपके तेज एवं प्रभाव में वांछित लाभ प्राप्त होगा। सभी ग्रहों की शांति के लिए आपको कूठ, खिल्ला, कांगनी, सरसों, देवदारु, हल्दी, सर्वौषधि तथा लोध, को मिला कर, चूर्ण कर किसी तीर्थ के पानी में मिला कर, भगवान का स्मरण करते हुए, स्नान करें तो ग्रहों की शांति और सुख-समृद्धि प्राप्त होगी।

दान पदार्थ

मंगल की शांति के लिए योग्य व्यक्ति को मंगल के पदार्थ-तांबा, सोना, गेहूं, लाल वस्त्र, गुड़, लाल चंदन, लाल पुष्प, केसर, कस्तूरी, लाल वृषभ, मसूर की दाल, पृथ्वी, विद्रुम आदि का दान करना लाभप्रद रहेगा।

यंत्र

मंगल को अनुकूल बनाए रखने हेतु मंगल यंत्र को भोज पत्र पर अष्टगंध (केशर, कपूर, अगर, तगर, कस्तूरी, अंबर, गोरोचन एवं रक्त चंदन या श्वेत चंदन) स्याही से लिख कर, सोने या तांबे के ताबीज में, धूप-दीप से पूजन कर, सोने की जंजीर या पीले धागे में, शनिवार को शुक्ल पक्ष में प्रातःकाल धारण करें।



FUTUREPOINT
Astro Solutions

